ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-21 अंक-12 सितम्बर-II-2019 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

'नये ज्ञान द्वारा नया भारत' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन

मूल्यनिष्ठ शिक्षा एवं आध्यात्मिकता नई शिक्षा नीति में होगे शामिल - डॉ. पोखरियाल

नई दिल्ली। शिक्षा, समाज व देश की रीढ़ की हड्डी है। यह सम्मेलन समूचे विश्व के लिए विचार विमर्श हेतु है क्योंकि मूल्यों एवं आध्यात्मिकता की सभी को आवश्यकता है, इसी से सुख-शांति की प्राप्ति होती है। उक्त विचार केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल ने ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थानीय अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 'नये ज्ञान द्वारा नया भारत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यक्त किये। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 140 देशों में मूल्य शिक्षा की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपका सोचना, बोलना, करना और उसका रिज़ल्ट इन्हीं विचारों को लेकर है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों के मूल्यनिष्ठ शिक्षा पाठ्यक्रम की गतिविधियों पर संकलित पुस्तिका का विमोचन किया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सुझाव के लिए दो सप्ताह की अवधि बढ़ाने का भी ऐलान किया। ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि भारत सरकार की नई शिक्षा नीति में मूल्यनिष्ठ शिक्षा एवं आध्यात्मिक चरित्र उत्थान प्रणाली को शामिल करने के साथ-साथ हर शैक्षणिक संस्थान में आत्मचिंतन, प्रभुचिंतन तथा मेडिटेशन की चिन्तन प्रयोगशाला का भी प्रावधान होना ज़रूरी है। जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि स्कूल एवं कॉलेजों में पहला आधा घंटा आध्यात्मिक शिक्षा का होना चाहिए, क्योंकि जो पढ़ते हैं, देखते हैं, सुनते हैं उसी से हमारे संस्कार बनते हैं और संस्कार से ही हमारा संसार बनता है। यू.जी.सी. के अध्यक्ष प्रो. डी.पी. सिंह ने कहा कि शिक्षा में अध्यात्म और ध्यान बच्चों को सही दृष्टिकोण, जीवन जीने की कला और श्रेष्ठ संस्कार सिखायेगा जिससे उनका सर्वांगीण विकास होगा। मिडिल ईस्ट, उत्तर अफ्रीका व दक्षिण एशिया के क्यू.एस. इन्टेलीजेन्स यूनिट के निदेशक अश्विन ने नई शिक्षा प्रणाली में लाइफ स्किल और आध्यात्मिक प्रज्ञा को जोड़ने पर बल दिया। रुड़की के प्रोफेसर व लेखक डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा ने कहा कि हमें संस्कार परिवार से मिलते हैं और शिक्षा स्कूल में मिलती है। रशिया में ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. चक्रधारी ने बाहरी स्वच्छता के साथ आंतरिक स्वच्छता बनाये रखने पर बल दिया। ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. शुक्ला ने कहा कि आध्यात्मिक शिक्षा द्वारा जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। इस अवसर पर 'चहुंमुखी स्वास्थ्य एवं पर्यावरण जागृति' संगोष्ठी में ब्र.कु. शिवानी एवं दिल्ली फार्मासुटिकल साइंसेस एंड रिसर्च युनिवर्सिटी के उप कुलपति प्रो. रमेश के. गोयल ने अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही 'सामाजिक परिवर्तन के लिए नया ज्ञान' विषय पर जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के सईद अख्तर, रेवेनशा विश्व विद्यालय के पूर्व उपकुलपति वैष्णव चरण त्रिपाठी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रफुल्ल मिश्रा, पतंजली विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. महावीर, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. अनिल डी. सहस्त्रबुधे आदि शिक्षाविदों ने अपने विचार रखे।

सम्बोधित करते हुए विश्व विख्यात जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी। मंचासीन हैं ब्र.कु. शुक्ला दीदी, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल, राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय तथा अन्य गणमान्य अतिथि।

नई दिल्ली। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को रक्षासूत्र बांधते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।

इस अवसर पर...

- डॉ. पोखरियाल ने : ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 140 देशों में मूल्य शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की
- ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा विभिन्न विश्व विद्यालयों के शिक्षा पाठ्यक्रम की गतिविधियों पर संकलित पुस्तिका का विमोचन किया
- इस अवसर पर 'स्वास्थ्य एवं पर्यावरण जागृति' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया

सशक्त भारत के निर्माण के लिए किसान सशक्तिकरण सम्मेलन

ब्रह्माकुमारीज़ एवं सहकार मंडली कनकपुर के तत्वाधान में हुआ आयोजन

सम्मेलन में चालीस गांव से तीन सौ किसानों ने लिया भाग

कनकपुर-अबड़ासा(भुज)। ब्रह्माकुमारीज़ के भुज सेवाकेन्द्र द्वारा कनकपुर में स्वच्छ, स्वर्णिम एवं सशक्त भारत के निर्माण हेतु 'किसान सशक्तिकरण सम्मेलन' का आयोजन हुआ। सम्मेलन में मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर डी.ए. झाला ने रासायनिक खाद के अतिरिक्त प्रयोग के दुष्परिणाम के प्रति सबको सचेत किया। उन्होंने कहा कि अधिक रासायनिक कीटनाशक से न सिर्फ धरती की सेहत पर बुरा असर पड़ता है बल्कि उसकी उपज के सेवन से मनुष्य की सेहत पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। कनकपुर में ड्रिपर सिस्टम का सही तरीके से इस्तेमाल कर पूरे गांव ने जो महत्वपूर्ण सिद्धि प्राप्त की है, इसकी उन्होंने सराहना की। इस अवसर पर नागपुर से कृषि विशेषज्ञ ब्र.कु. महेन्द्र ठाकुर ने प्रकृति के साथ मैत्री भाव से व्यवहार करने के लिए सभी का आह्वान किया। उन्होंने कम खर्च में कैसे अच्छा उत्पादन किया जा सके उसके बारे में क्रमबद्ध और उदाहरण के साथ किसानों को बताया। साथ ही रासायनिक खाद के बदले प्राकृतिक खाद का उपयोग करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने प्राकृतिक पद्धति से तैयार छिड़काव का उपयोग करने का सभी से आग्रह किया तथा फसल लेने के बाद उसके वेस्ट को बेस्ट बनाकर ज़मीन की उर्वरता को बढ़ाने के लिए उसी का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम प्रकृति से लेना तो चाहते हैं, लेकिन हम प्रकृति को क्या देते हैं, उस पर विचार करने की ज़रूरत है। जो हम देते हैं वही प्रकृति हमें लौटाती है। उन्होंने सभी से शाश्वत यौगिक खेती करने की अपील की। इस पद्धति में तकनीकों का कैसे इस्तेमाल करें उसके लिए विशेष रूप से किसानों से रूबरू भी हुए तथा उनकी समस्याओं का समाधान भी किया। आबू से ब्रह्माकुमारीज़ कृषि एवं ग्रामीण विकास प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजेन्द्र ने विश्व भर में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा हो रही शाश्वत यौगिक खेती की सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दांतीवाड़ा कृषि विद्यालय तथा भारत के कई विश्वविद्यालयों ने शोध द्वारा ये प्रमाणित किया है कि यौगिक खेती की पद्धति से न सिर्फ उपज में बढ़ोत्तरी होती है बल्कि उनकी गुणवत्ता भी बढ़ती है। कनकपुर सेवा सहकार मंडली के प्रमुख वाडीलाल भाई पर्वत ने भूमिगत पानी को रीचार्ज करने की तरकीब बताई। साथ ही जैविक खेती करने तथा गौपालन पर उन्होंने विशेष ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि खेती और गौ माता का आपस में बेहतर तालमेल बिठाकर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकता है। माउण्ट आबू से ओमशान्ति मीडिया के सम्पादक ब्र.कु. गंगाधर ने व्यसनमुक्त तथा विकार मुक्त, स्वस्थ, सात्विक और सशक्त किसान की संकल्पना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमारे विचारों के भाव प्रकृति की उपज पर सीधा असर डालते हैं। जैसे हमारे भाव होंगे, वैसा ही असर फसल की गुणवत्ता पर पड़ता है। भुज से राजयोगिनी ब्र.कु. रक्षा ने मेडिटेशन के द्वारा मन को सुमन बनाने के बारे में बताया। दीव से ब्र.कु. गीता ने मंच संचालन किया। प्रोजेक्ट संयोजक ब्र.कु. चन्द्रेश भद्रा ने किसान ट्रेनिंग सेंटर खोलने की संकल्पना के बारे में बताया। 40 गांव के 300 किसानों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना पर चर्चा

कनकपुर गांव में किसान प्रशिक्षण केन्द्र खोलने का मसौदा तैयार किया गया। मुम्बई से प्रसिद्ध डी.जी. आर्क कंपनी के सी.ई.ओ. दुष्यंत गटालिया ने जैविक एवं यौगिक खेती के स्कोप के बारे में और किसानों के लिए ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट खोलने के बारे में प्रोजक्टर द्वारा विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस प्रशिक्षण क्षेत्र में एक कृषि लैब, शाश्वत यौगिक खेती के लिए प्रशिक्षण कक्ष एवं मेडिटेशन सेंटर की भी संकल्पना के भी बारे में बताया। किसानों की मेहनत का मुआवजा उन्हें ही मिले, उसके बारे में किसान भाइयों को विस्तृत रूप से जानकारी दी। कैसे उनकी आय में वृद्धि हो, उसपर ही उसका फोकस रहा। कृषि विशेषज्ञ नागपुर गोंदिया से आये ब्र.कु. महेन्द्र ने जल्दी ही प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाने की कामना की।

मंचासीन हैं ब्र.कु. गोकुल, कृषि विशेषज्ञ ब्र.कु. महेन्द्र, प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजेन्द्र, आर्किटेक्ट दुष्यंत, डिप्टी कलेक्टर डी.ए. झाला, राजयोगिनी ब्र.कु. रक्षा, ओमशान्ति मीडिया के सम्पादक ब्र.कु. गंगाधर तथा अन्य।